March 2021

SRMS Trust Bulletin

आयाम

UP-UK ISCCM स्टेट चैप्टर का सफल आयोजन PAGE 06

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

एसआरएमएस में ग्लूकोमा डे पर निकाली जागरूकता रैली PAGE 09

- सिंचाई के लिए नदियों को जोड़ने के हिमायती थे राम मूर्ति जी - **PAGE 03**
- एसआरएमएस का इन्क्लैन इंटरनेशनल से समझौता - **PAGE 04**
- **SRMSCET** में हुई राष्ट्रीय सीनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप - **PAGE 05**
- रिद्धिमा ने दिया कला और कलाकारों को सम्मान - **PAGE 10**
- जागरूकता और सही इलाज से हारेगा टीबी - **PAGE 12**
- पुरस्कृत कहानी- 'कैसी तकदीर'- **PAGE 14**

SRMS

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली

1000 बैड का मल्टी सुपर स्पेश्यलिटी, टर्शरी केयर एवं ट्रामा सेन्टर

नॉन-कोविड अस्पताल

के रूप में पुनः संचालित

क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ सुविधायें

- क्रिटिकल केयर (ICU, ICCU, NICU, PICU)
- कार्डियोलॉजी एवं कार्डियक सर्जरी सेंटर
- कैंसर सेंटर (कैंसर सर्जरी, कैंसर हाइपैक) सर्जरी, रेडियोथैरेपी, ब्रेकीथैरेपी, कीमोथैरेपी, टारगेटेड थैरेपी, हारमोनल थैरेपी)
- कोक्लियर इम्पलांट सर्जरी सेंटर (जन्म से बहरे बच्चों के लिए निःशुल्क सर्जरी)
- न्यूरोलॉजी एवं न्यूरो सर्जरी सेंटर
- यूरोलॉजी एवं लेजर सर्जरी सेंटर
- नैफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस सेंटर
- प्लास्टिक, कॉस्मेटिक, माइक्रोवस्कुलर सर्जरी
- आर्थोस्कोपी एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेंटर
- लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेंटर
- गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी एवं जी.आई. सर्जरी सेंटर
- कॉस्मैटोलॉजी एवं लेजर स्किन ट्रीटमेंट सेंटर
- इनफर्टिलिटी सेंटर (IVF/ ICSI, PICSI)
- एन्डोक्राइनोलॉजी सेंटर
- फेको (कैटरैक्ट) सर्जरी सेंटर
- एडवांस इमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेंटर

अन्य स्पेश्यलिटी विभाग

- मेडिसिन विभाग
- श्वांस एवं छाती रोग विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- हड्डी रोग विभाग
- चर्म, यौन एवं कुष्ठ रोग विभाग
- जनरल सर्जरी विभाग
- बाल रोग विभाग
- नाक-कान, गला विभाग
- नेत्र रोग विभाग
- मानसिक रोग विभाग
- दंत रोग विभाग

आयुष्मान भारत योजना में निःशुल्क इलाज, निःशुल्क मोतियाबिन्द का ऑपरेशन, एहसास योजना में रियायती दरों पर सिजेरियन डिलीवरी, निःशुल्क महिला नसबन्दी, डॉट्स (टीबी) सेंटर, निःशुल्क भर्ती बेड, ओपीडी एवं भर्ती मरीजों को निःशुल्क दवाईयों का वितरण, रियायती पैकेज सर्जरी, SRMS जनहित चिकित्सा योजना में निःशुल्क इलाज, SRMS सामुदायिक स्वास्थ्य योजना में निःशुल्क इलाज

*SRMS की योजनाओं के लिए नियम व शर्तें लागू

सभी जांचे एक छत के नीचे

- 3 टैस्ला एम.आर.आई.
- 128 स्लाइस डुअल सोर्स सी.टी. स्कैन,
- डिजिटल एक्स-रे, कलर अल्ट्रासाउन्ड
- 4 डी कलर डाप्लर
- डैक्सा स्कैन, फ्लोरोस्कोपी, मैमोग्राफी
- ईको, टी.एम.टी. हॉल्टर
- ई.ई.जी., ई.एम.जी., एन.सी.वी., ई.पी.
- ई.एन.टी. वीडियो लैरिंजोस्कोपी
- वीडियो स्ट्रबोस्कोपी नैरोबैण्ड इमेजिंग
- एन्डोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी
- ब्रॉन्कोस्कोपी, स्लीप लैब, ईबस (EBUS)
- कॉल्पोस्कोपी
- अत्याधुनिक पैथोलॉजी लैब, बायोकैमिस्ट्री लैब
- माइक्रोबायलॉजी लैब, RTPCR
- हिस्टोपैथोलॉजी लैब
- इम्यूनोहिस्टोकैमेस्ट्री, ट्यूमर मार्कर

पोस्ट कोविड केयर एवं मैनेजमेंट की सुविधा उपलब्ध

आपका भरोसा, हमारा प्रयास...

13 किमी.,बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली (उ.प्र.) | www.srms.ac.in

✆ 0581-2582000, 7900552000, 9458704444

आयाम: सफलता का एक वर्ष

आपके हाथ में आयाम पत्रिका का यह अंक अपने आप में एक कहानी कह रहा है। यह कहानी है आपके प्यार, सहयोग, सुझाव और प्रोत्साहन की। जिसकी बदौलत आयाम ने अपना पहला वर्ष सफलता पूर्वक पूरा किया और इस अंक के साथ दूसरे वर्ष में कदम रखा है। इस बीच कोविड महामारी और अन्य तमाम चुनौतियों के बाद भी अलग-अलग स्टोरी और घटनाओं को आधार बना कर आयाम को विशिष्ट बनाने की कोशिश की गई। एसआरएमएस ट्रस्ट को समर्पित आयाम का पिछले वर्ष आगाज ट्रस्ट के विजनरी, ऊर्जावान चेयरमैन देवमूर्ति की सफलता की कहानी से हुआ। उन्होंने अपने संघर्ष और बुलंदी को साझा किया। युवाओं को संघर्ष कर अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। उन्हीं की प्रेरणा और आशीर्वाद से आयाम पत्रिका ट्रस्ट की गतिविधियों को एक मंच पर लाकर सभी की चहेती बन गई। ट्रस्ट से बाहर के लोगों ने भी इसे सराहा। एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा पुरस्कृत कहानियों के प्रकाशित होने से आयाम का एक अलग ही पाठक वर्ग बना। इसी तरह सुडोकू और पजल के चाहने वालों ने भी आयाम को हाथों हाथ लिया। आज आयाम का दूसरे वर्ष का पहला अंक आपको सुपुर्द करते हुए खुशी हो रही है। आशीर्वाद देने के लिए आपका कोटिश: धन्यवाद।

जय हिंद

अमृत कलश

''कोई लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं, हारा वही जो दिल से लड़ा नहीं ।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Rishabh Tiwari	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Gautam Rai	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Bareilly-Nainital Road, Bhojipura, Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090

सिंचाई के लिए नदियों को जोड़ने के हिमायती थे राम मूर्ति जी

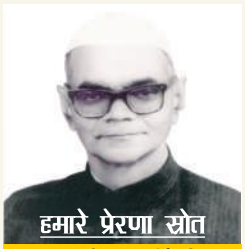

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

देश आजाद हो चुका था। अब देश को विकास की राह पर आगे ले जाने की जिम्मेदारी अपनों पर थी। लोगों ने देश के लिए संघर्ष करने वालों पर भरोसा जताया और अपनी नुमाइंदगी के लिए चुना। बरेली की जानता ने भी स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को अपना प्रतिनिधि चुना। आजादी के बाद से 1968 तक वे उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बन कर प्रदेश की तकदीर बदलने में लगे रहे। पं. गोविंद बल्लभ पंत, डा. संपूर्णानंद, सीबी गुप्ता और सुचेता कृपलानी ने राम मूर्ति जी को अपने मंत्रि मंडल में शामिल किया। उन्हें शिक्षा, सिंचाई, विद्युत, सूचना, पंचायती राज, उद्योग, योजना एवं विकास विभागों की जिम्मेदारी समय समय पर मिली। सभी में राम मूर्ति जी ने अपनी अमिट छाप छोड़ी। सिंचाई विभाग में मंत्री के रूप में उन्होंने किसानों की उपज बढ़ाने पर काम किया। इसके लिए दूर दराज के खेतों की सिंचाई के लिए पानी पहुंचाना गंभीर चुनौती थी। राम मूर्ति जी ने इस चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने सरकार से नहरों और नदियों को जोड़ने की दलील दी। उन्होंने कहा कि नदियों और नहरों को जोड़ने से हर खेत को पानी मुहैया कराया जा सकता है। इससे पैदावार भी बढ़ेगी और किसानों की आय भी। सरकार के निर्देश पर उन्होंने कृषि सुधार में अनुसंधान करने वाले विदेशी प्रतिनिधियों से भी संपर्क किया और उनके सुझावों को भी सरकार के सामने रखा। जिन्हें बाद में अमल में लाया गया। सिंचाई के लिए प्रदेश में नहरों का जाल बनाना संभव हुआ।

कृषि अनुसंधान में कार्यरत विदेशी प्रतिनिधियों के साथ स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री राम मूर्ति जी। (फोटो-एसआरएमएस आर्काइव)

365 रुपये के रजिस्ट्रेशन पर पचास हजार तक का इलाज

MILESTONE

इस योजना में सिर्फ एक रुपये प्रतिदिन के खर्च पर दंपति का पचास हजार रुपये तक का इलाज निशुल्क किया जाता है। पिछले वर्ष मई तक इस योजना के तहत 457 नए मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जबकि 101 रिन्यूवल हुए। 407 मरीजों ने इलाज करवाया जिस पर 32 लाख 31 हजार 555 रुपये खर्च किए गए। पिछले वर्ष इस योजना में 2014 दंपतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। साथ ही 491 रिन्यूवल हुए। पूरे वर्ष 1639 मरीजों ने इलाज कराया। इस योजना के तहत उन पर एक करोड़ 30 लाख 12 हजार 25 रुपये की राशि खर्च की गई। पिछले वर्ष कोविड महामारी और लाकडाउन की वजह से इस योजना में रजिस्ट्रेशन कम हुए लेकिन लाकडाउन खुलने के बाद फिर से सामुदायिक स्वास्थ्य योजना में रजिस्ट्रेशन कराने और रिन्यूवल कराने वालों की संख्या बढ़ी है।

एसआरएमएस में रिसर्च, दवाइयों व वैक्सीन के ट्रायल बढ़ेंगे

एसआरएमएस मेडिकल कालेज और इन्क्लेन इंटरनेशनल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी के साथ दोनों संस्थानों के पदाधिकारी

- श्री राम मूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज और इन्क्लेन इंटरनेशनल के बीच हुआ समझौता
- समझौता पत्र पर आदित्य मूर्ति और इन्क्लेन के डा.नरेंद्र कुमार अरोरा ने किये हस्ताक्षर

बरेली: केंद्र सरकार के साइंस एवं इंडस्ट्रियल रिसर्च विभाग से संब) इन्क्लेन ट्रस्ट इंटरनेशनल और एसआरएमएस मेडिकल कालेज के बीच गुरुवार को समझौता पत्र (मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए गए। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति की मौजूदगी में एसआरएमएस मेडिकल कालेज की ओर से डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति और इन्क्लेन की ओर से एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डा. नरेंद्र कुमार अरोरा ने मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। दोनों ने उम्मीद जताई कि इससे एसआरएमएस में रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही दवाइयों और वैक्सीन के ट्रायल से मरीजों को भी लाभ होगा। डा. अरोरा ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस में सर्वश्रेष्ठ होने की वजह से हमने यहां रिसर्च को बढ़ावा देने और नई वैक्सीन के साथ दवाइयों के ट्रायल के लिए एसआरएमएस को चुना है। विश्व के 34 देशों में काम कर रहे इन्क्लेन का काम सब तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और अपने से संबद्ध संस्थानों में फैकल्टी को ट्रेंड कर उन्हें नई चुनौतियों के लिए तैयार करना है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज से संबद्ध होने के बाद हम यहां रिसर्च, क्षमता निर्माण, मरीजों की देखभाल, पालिसी और प्रोग्राम डेवलपमेंट को बढ़ाने पर काम करेंगे। हमारी पार्टनरशिप एक दूसरे की क्षमताओं और प्रभाव को बढ़ाने का काम करेगी। हम पश्चिमी उ. प्र. की स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रख कर साध्य और असाध्य रोगों पर रिसर्च, उनकी दवाइयों के क्लीनिकल ट्रायल के साथ हेल्थ सिस्टम और जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने का काम करेंगे। महामारी विज्ञान, क्लीनिकल पीडियाट्रिक, जेरियाट्रिक्स पर भी फोकस कर प्रोजेक्ट बनाए जाएंगे। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर के बाद खुशी जताई। उन्होंने कहा कि 34 देशों में स्वास्थ्य सेवाओं में सक्रिय संस्था इन्क्लेन इंटरनेशनल के साथ एमओयू साइन होना हमारे लिए बड़ा दिन है। इससे हम मरीजों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे पाएंगे। इस मौके पर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डा.पियूष अग्रवाल, डा. रोहित शर्मा, डा.तारिक, डा.स्मिता गुप्ता, डा.पीएल प्रसाद, डा.सुजाता, डा.शरद जौहरी भी मौजूद रहे।

एसआरएमएस व इन्क्लेन इंटरनेशनल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद फाइल बदलते ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति और इन्क्लेन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डा. नरेंद्र अरोरा

मेडिकल कालेज में गुरुवार को ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर करते इन्क्लेन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डा.नरेंद्र कुमार अरोरा और एसआरएमएस के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी।

49वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबाल चैंपियनशिप का सफल आयोजन

एसआरएमएस ने की शानदार मेजबानी

टीम के खिलाड़ियों के साथ आयोजन समिति के सदस्य और अतिथि

- कॉलेज आफ इंजीनियरिंग के क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए क्वार्टर एवं सेमीफाइनल मैच
- इंडियन रेलवे, बिहार, उप्र, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान में मुकाबला

बरेली: 49वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबाल चौंपियनशिप बरेली में आयोजित हुई। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग को भी इसकी मेजबानी करने का मौका मिला। कालेज आफ इंजीनियरिंग के क्रिकेट ग्राउंड पर 20 मार्च को इस चौंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच खेले गए। क्वार्टर फाइनल में इंडियन रेलवे की टीम का मुकाबला बिहार, उप्र की टीम का दिल्ली, हरियाणा की टीम का पंजाब और हिमाचल प्रदेश की टीम का राजस्थान की टीम से हुआ। अपनी विरोधी टीम को हराकर इंडियन रेलवे, उप्र, हरियाणा और हिमाचल की टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। जहां इंडियन रेलवे ने उप्र और हिमाचल प्रदेश ने हरियाणा को हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। 49वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबाल चौंपियनशिप का खिताब हिमाचल की टीम ने अपने नाम किया। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग में खेले गए क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच में अपर आयुक्त अरुण कुमार और उनकी पत्नी बबिता कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में खिलाड़ियों का प्रोत्साहन किया। अरुण कुमार ने एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग को भी शानदार मेजबानी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने क्रिकेट ग्राउंड की भी तारीफ की और कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से संपन्न यह ग्राउंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के आयोजन के लिए भी सक्षम है। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने अतिथियों और खिलाड़ियों के साथ हैंडबाल संघ के सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि 49वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबाल चौंपियनशिप के आयोजन के लिए बरेली को चुना गया। हमें भी क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच में मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। हालांकि इससे पहले प्रदेश स्तरीय कई प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग में हो चुका है।

मुख्य अतिथि अरूण कुमार को स्मृति चिह्न

खिलाड़ियों से परिचय लेती ऋचा मूर्ति जी

टीमों के बीच हुयी जोरदार भिड़ंत

आदित्य मूर्ति ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला हैंडबाल संघ के अध्यक्ष विनय खंडेलवाल, यूपी हैंडबाल संघ के अध्यक्ष एसएम बोबड़े, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष डा. आनंदेश्वर पांडेय, आशीष खंडेलवाल, मुकेश गुप्ता, राजा चावला, डा.मनीष शर्मा, राजीव तनेजा, आशीष गुप्ता, अभिमन्यु गुप्ता, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार मौजूद रहे।

यूपी यूके आईएससीसीएम स्टेट चैप्टर कांफ्रेंस कम वर्कशाप का शानदार समापन

डा.बी.के. राव को श्री राम मूर्ति ओरेशन अवार्ड

डॉ. बी.के. राव को श्री राम मूर्ति ओरेशन अवार्ड

डॉ. डी.के. सिंह को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड

- भटिंडा स्थित एम्स के डायरेक्टर डा.डीके सिंह को दिया गया लाइफ टाइम सम्मान
- रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर विभाग ने किया 10वीं यूपी यूके कॉन्फ्रैन्स का आयोजन
- आईसीयू में भर्ती मरीजों के लिए दवाइयों संग पौष्टिक तत्व भी जरूरी: डा.एससी शर्मा
- डा. ललित सिंह ने दिया सभी डाक्टरों को धन्यवाद, कहा-सीखने को बहुत मिला

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, बरेली के पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग द्वारा ISCCM बरेली चैप्टर के सहयोग से चार दिवसीय कॉन्फ्रैन्स कम वर्कशाप "10th UP & UK ISCCM State Chapter-SRMS Pulmo-Crit 2" का आयोजन किया गया। शुक्रवार (19 मार्च) को कॉन्फ्रैन्स और वर्कशाप का उद्घाटन एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, पद्मभूषण से सम्मानित एनएबीएच के चेयरमैन डा. बीके राव, एम्स भटिंडा के डायरेक्टर डा.डीके सिंह, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता और कार्यक्रम संचालन समिति के सेक्रेटरी और एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर विभाग के प्रमुख डा.ललित सिंह ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा.बीके राव को एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से श्री राम मूर्ति ओरेशन अवार्ड प्रदान किया गया। जबकि विशिष्ट अतिथि डा.डीके सिंह को लाइफ टाइम सम्मान दिया गया। एसआरएमएस ट्रस्ट देव मूर्ति जी की अनुपस्थिति में दोनों को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र आदित्य मूर्ति जी ने प्रदान किए। स्टेट चैप्टर कॉन्फ्रैन्स कम वर्कशाप का आयोजन एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर विभाग की ओर से किया गया। इस मौके पर आदित्य मूर्ति जी ने कहा कि कोविड महामारी ने सभी लोगों को वेंटिलेटर और आईसीयू जैसे शब्दों से परिचित करा दिया है। इसी की बदौलत पूरी दुनिया ने कोविड के गंभीर मरीजों की जान बचाई। हमने भी वेंटिलेटर और आईसीयू के जरिये ही यहां भर्ती होने वाले मरीजों का इलाज किआ। उन्होंने इसके लिए क्रिटिकल केयर विभाग, नर्सिंग और पैरामेडिकल सहित सभी के योगदान को भी सराहा। डा.बीके राव स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को गांधीवादी बताते हुए उनकी तुलना राष्ट्रपिता से की। उन्होंने कहा कि उनकी दुआ और कामना है कि इन्हीं की सरपरस्ती में एसआरएमएस परिवार आगे बढ़ता रहे और बुलंदियां हासिल करता रहे। उद्घाटन सत्र को डा.डीके सिंह ने भी संबोधित किया। इससे पहले 18 मार्च से आरंभ हुए "10th UP & UK ISCCM State Chapter-SRMS Pulmo-Crit 2" के दूसरे दिन शुक्रवार (19 मार्च) को कोविड, एंटीबायोटिक्स और एंटीफंगल विषयों पर

दीप प्रज्जवलन कर हुआ उद्घाटन

डॉ. सी.एस. जोशी को सर्टिफिकेट

वर्कशॉप

तीन व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए। कोविड विषय के पहले सत्र में चेयरपर्सन के रूप में डा.नवनीत अग्रवाल, डा.सुदीप सरन और डा.प्रदीप साही उपस्थित हुए जबकि पहले व्याख्यान में जयपुर से आए डा.नरेंद्र रूंगटा ने कोविड के आज और कल पर अपना प्रेजेंटेशन सबके सामने रखा। कोविड मरीज और एयरवे मैनेजमेंट विषय पर दूसरा व्याख्यान एएमयू अलीगढ़ से आए डा.सैयद मोईद अहमद ने दिया। पहले सत्र का तीसरा व्याख्यान अपोलो हास्पिटल नई दिल्ली के डा.राजेश चावला ने दिया। उन्होंने कोविड मरीजों और वेंटिलेटर के संबंध में जानकारी दी और एआरडीएस प्रोटोकाल के महत्व पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र एंटीबायोटिक्स को सुपुर्द किया गया। इस सत्र के चेयरपर्सन डा.विमल भारद्वाज, डा.अनुराग अग्रवाल, डा.राजेश अग्रवकाल और डा.सोमेश मेहरोत्रा रहे। एंटीबायोटिक्स रेजिस्टेंस पर पहला व्याख्यान मैक्स अस्पताल नई दिल्ली से आए डा.वाईपी सिंह ने दिया। जबकि जीबी पंत नई दिल्ली से आए डा. अनिर्वान चौधरी ने एंटीबायोटिक्स के भविष्य पर बात की। जेपी अस्पताल नई दिल्ली से आए डा.गजेंद्र अग्रवाल ने नानइंवेंसिव वेंटिलेटर की उपयोगिता इसमें आने वाली परेशानियों पर अपनी बात रखी।

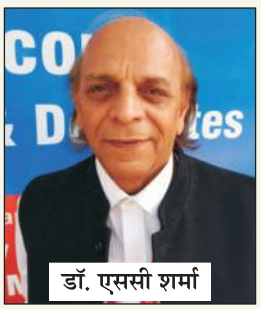

डॉ. एससी शर्मा

स्टेट चैप्टर के दूसरे दिन का तीसरा और अंतिम सत्र एंटीफंगल विषय को समर्पित रहा। इसमें डा.राहुल गोयल. डा.रामपाल सिंह, डा.आरके भास्कर और डा.रजत अग्रवाल चेयरपर्सन के रूप में शामिल हुए। इस सत्र में डा.राजेश पांडेय, डा.प्रदीप रंगप्पा ने अपना प्रेजेंटेशन दिया। इसके उपरांत एक थीम सत्र में डा.पंकज आनंद और डा.डीके सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली से पधारे पद्मभूषण से सम्मानित डा.वीके राव ने भारत में क्रिटिकल केयर विषय पर अपना प्रेजेंटेशन दिया। डा.राव को एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से श्री राम मूर्ति ओरेशन अवार्ड प्रदान किया गया। जबकि विशिष्ट अतिथि डा.डीके सिंह को लाइफ टाइम सम्मान दिया गया। कार्यक्रम की संचालन समिति के सेक्रेटरी और एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर विभाग के प्रमुख डा.ललित सिंह ने कहा कि कॉन्फ्रैन्स का उद्देश्य आईसीयू में में कार्य करने वाले गहन रोग चिकित्सकों कों प्रशिक्षित करना है क्योंकि कोरोना महामारी के दौरान आईसीयू में चिकित्सकों को रोजाना नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस कारण नवीनतम तकनीकों का ज्ञान होना आवश्यक हो गया है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी। जबकि कालेज की साइंटिफिक कमेटी के अध्यक्ष डा.राजीव टंडन ने सभी मेहमानों को धन्यवाद ज्ञापित किया। पहले दिन गुरुवार (18 मार्च) को क्रिटिकल केयर में रेडियोलाजी के महत्व पर डा.एके सिंह ने प्रकाश डाला। जबकि राजेश शेट्टी और डा.एसएम अहमद ने वेंटिलेशन की भूमिका और उसकी जानकारी दी। पहले दिन दो वर्कशाप और एक कांफ्रेंस के जरिये उपस्थित डेलीगेट्स को क्रिटिकल केयर से संबंधित जानकारी दी गई। पहली वर्कशाप हीमोडायनामिक मानीटरिंग पर हुई। इसमें क्रिटिकल केयर के दौरान रक्त के महत्व पर डा.अखिलेश पहाड़े ने जानकारी दी। इनका सहयोग डा.विश्वजीत और डा.ज्ञानेंद्र गुप्ता ने किया। दूसरी वर्कशाप मैकेनिकल वेंटिलेशन विषय पर आयोजित की गई। इसमें डा.विमल भारद्वाज ने सभी को इस संबंध में जानकारी दी। उनका साथ डा.धीरज सक्सेना और डा.रजत अग्रवाल ने दिया। पहले दिन नर्सिंग के संबंध में भी कांफ्रेंस आयोजित की गई। इसमें क्रिटिकल केयर के दौरान नर्सिंग के संबंध में जानकारी दी गई। यह जानकारी डा.धर्मेंद्र कुमार ओझा ने दी। वर्कशाप में अत्याधुनिक स्वास्थ्य उपकरणों की जानकारी के साथ इनके इस्तेमाल की विधि भी बताई गई।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिन की कॉन्फ्रैन्स के बाद अंतिम दो दिन की कॉन्फ्रैन्स कम वर्कशाप रामनगर में आयोजित हुई। इसमें कई सत्रों में देश के नामचीन चिकित्सकों ने अपने शोध पत्र पर व्याख्यान दिया। सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ डा. एससी शर्मा ने पौष्टिक तत्वों के महत्व से सभी को परिचित कराया। कहा कि किसी भी मरीज के लिए दवाइयों के साथ ही पौष्टिक तत्वों की जरूरत की अनदेखी नहीं की जा सकती। खुद को स्वस्थ मानने वालों को भी पौष्टिक तत्वों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए और इसके लिए अब सिर्फ भोजन पर निर्भर रहना समझदारी की बात नहीं हो सकती। भोजन में ही पौष्टिक तत्वों की कमी से अब पौष्टिक तत्वों को अलग से सप्लीमेंट करना जरूरी हो गया है। इन्हें शामिल करने से ही कई बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही बीमार होने पर इनकी बदौलत रिकवरी भी तेजी से संभव है। आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों के लिए भी जितनी दवाइयों की अहमियत है उतनी ही पौष्टिक तत्वों की भी। इनसे ही मरीजों की सेहत तेजी से सही होती है। उन्होंने कॉन्फ्रैन्स कम वर्कशाप की सफलता पर सभी को बधाई दी। साथ ही ऐसे आयोजनों को भविष्य में भी जारी रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से डाक्टरों को भी काफी फायदा होता है। चौथे दिन कॉन्फ्रैन्स का शानदार समापन हुआ। कार्यक्रम संचालन समिति के सेक्रेटरी और एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेस्पिरेटरी एण्ड क्रिटिकल केयर विभाग के प्रमुख डा.ललित सिंह ने आयोजन को बेहद सफल बताया और आने वाले सभी

सफल आयोजन पर
डॉ. ललित सिंह को सम्मान

प्रभा

मीनाक्षी

किरन

ORAL PRESENTATION

डॉ. इमरान अहमद

डॉ. अरविन्द

डॉ. यादवेन्द्र

डॉ. अनुष्का

डॉ. प्रभात

डॉ. मनिका

POSTER PRESENTATION

डॉ. शिवम

डॉ. दीक्षा

डॉ. हिमांशी

डॉ. आसमा

डॉ. अनीस

अतिथियों का धन्यवाद दिया। इस मौके पर जयपुर से आए डा.नरेंद्र रूंगटा, एएमयू अलीगढ़ से आए डा.सैयद मोईद अहमद, अपोलो हास्पिटल नई दिल्ली के डा. राजेश चावला, मैक्स अस्पताल नई दिल्ली से आए डा.वाईपी सिंह, जीबी पंत नई दिल्ली से आए डा.अनिर्वान चौधरी, जेपी अस्पताल नई दिल्ली से आए डा.गजेंद्र अग्रवाल, मेडिकल कालेज के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन यूजी डा.पियूष कुमार, डीन यूजी डा.रोहित शर्मा, डा.प्रदीप साही, डा.एएन शुक्ला, डा. दीपक गोविल, डा.विमल भारद्वाज, डा.रजत अग्रवाल, डा.रतन गंगवार, डा. अनीस बेग, डा.संबित साहू, डा.वाईपी सिंह, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के सभी विभागों के प्रमुख, फैकेल्टी, एसआर और विद्यार्थी समेत 250 से अधिक विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डाक्टर शामिल हुए। कांफ्रेंस कम वर्कशाप के लिए 379 डेलीगेट्स आए। इनमें से 42 विशेषज्ञों ने अपने शोध को प्रस्तुत किया। क्विज कंपटीशन में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के पीडिया वार्ड की प्रभा को पहला स्थान मिला। जबकि डायलिसिस की मीनाक्षी को दूसरा और मेडिकल आईसीयू की किरन को तीसरा स्थान हासिल हुआ। 21 डेलीगेट्स ओरल प्रेजेंटेशन में शामिल हुए। इसमें डा. इमरान अहमद खान को पहला स्थान मिला। जबकि दूसरे स्थान पर डा.अरविंद, डा.अनुष्का और डा.यादवेंद्र रहे। तीसरा स्थान डा.प्रभात और डा.मनिका अग्रवाल को हासिल हुआ। पोस्टर प्रेजेंटशन में 27 डेलीगेट्स शामिल हुए। इसमें डा.हिमांशी खट्टर को पहले स्थान के लिए चुना गया। जबकि डा.शिवम प्रियदर्शी और डा.दीक्षा चतुर्वेदी को दूसरा स्थाम मिला। डा.आस्मा वाहा और डा.अनीस अहमद तीसरे स्थान पर रहे।

विश्व ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह के दौरान एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आयोजन

जागरूकता के लिए निकाली रैली, नुक्कड़ नाटक किया

एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दिखाई जागरूकता रैली को झंडी

- ग्लूकोमा से बचने को प्रतिवर्ष आंखों की जांच कराना आवश्यक है
- शुरूआत में पहचान होने पर ग्लूकोमा का इलाज पूरी तरह सम्भव

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में विश्व ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह के दौरान 12 मार्च को रैली निकाली गई और नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग के विद्यार्थियों की जागरूकता रैली को एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति ने झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने लोगों से ग्लूकोमा जैसी बीमारी के प्रति सजग रहने और समय से जांच कराने की अपील भी की।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के नेत्र रोग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डा.नीलिमा मेहरोत्रा ने ग्लूकोमा के संबंध में लोगों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अन्य दिक्कतों की वजह से गई आंखों की रोशनी को वापस लाना संभव है लेकिन ग्लूकोमा की वजह से रोशनी जाने पर जीवन अंधकार में ही बीतता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए सात मार्च से 13 मार्च तक विश्व ग्लूकोमा सप्ताह मनाना जाता है। इस दौरान सभी देशों में लोगों को जागरूक करने के आयोजन किए जाते हैं। 12 मार्च को विश्व ग्लूकोमा दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज की ओर से भी प्रतिवर्ष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है। इस बार भी रैली निकाली गई और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया है। डा.मेहरोत्रा ने कहा कि काला मोतियाबिंद के नाम से ज्यादा चर्चित यह बीमारी सामान्य रूप से 35 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को ज्यादा प्रभावित करती है। शुरू में पहचान होने पर इसका इलाज संभव है। अंधेरे कमरे में आंखों का सामंजस्य नहीं बैठा पाना, चश्मे के पावर में जल्दी जल्दी बदलाव और धुंधलापन इसके मुख्य लक्षण हैं। इसके साथ ही आंखों में तेज दर्द, चेहरे में दर्द, लाल आंखें और रोशनी के चारों ओर प्रभामंडल और मितली आना भी इसके लक्षणों में शामिल हैं। ऐसा होने पर तुरंत कुशल नेत्ररोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में इसके इलाज के लिए अत्याधुनिक उपकरण और कुशल डाक्टरों की टीम मौजूद है।

इससे पहले सुबह करीब दस बजे मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग के विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली। इसे एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, डा.नीलिमा मेहरोत्रा ने झंडी दिखा कर रवाना किया। यह विद्यार्थी एसआरएमएस मेडिकल कालेज के गेट नंबर दो से निकल कर भोजीपुरा फ्लाईओवर तक गए। वहां से लौटने के बाद पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने ओपीडी के बाहर ग्लूकोमा के लक्षणों और उपचार को बताने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस मौके पर मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, प्रिंसिपल नर्सिंग कालेज डा.शमशाद आलम, डीन पीजी डा.पियूष कुमार, डीन यूजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा. अतुल कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

रिद्धिमा ने दिया कला और कलाकारों को सहारा

- जिंदगी डाट काम से हुआ मार्च का आगाज और पोस्टर से समापन
- सूफियाना कव्वाली की सजी महफिल तो फागोत्सव ने थामी संस्कृति
- नाटक जहर और पोस्टर ने सभी को दिया संदेश

बरेली: उद्घाटन के एक ही माह में एसआरएमएस रिद्धिमा (ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स) ने कला के कद्र दानों पर अपना जादू बिखेर दिया है। रिद्धिमा ने कला को सहेजने का काम तो किया ही कलाकारों को अपना हुनर दिखाने के लिए मंच भी समर्पित किया। यही वजह रही कि मार्च महीने में रिद्धिमा के गुरुओं के साथ ही बाहर के कलाकारों ने भी यहां कला प्रेमियों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यही वजह रही कि यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन हर शनिवार अनवरत रूप से जारी रहा। अन्य दिनों में भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहीं। मार्च महीने के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज नाटक जिंदगी डॉट काम से हुआ। जिसे माधव रंग मंडल ने प्रस्तुत किया। राम ड्रामाज कला ग्रुप ने नेटुआ (करम बड़ा दुखदायी) और दिल्ली के नाट्य वेद थियेटर ग्रुप ने नाटक जहर को रिद्धिमा के आडिटोरियम में साकार किया। उस्ताद तालिब सुल्तानी म्यूजिक एकेडमी ने एक शाम सुफियाना कव्वाली के नाम की तो 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस पर नाटक पोस्टर ने सभी को लुभाया। इसी माह फाग महोत्सव ने बिसरते जा रहे होली गीतों से श्रोताओं का परिचय कराया और चित्रकला प्रदर्शनी ने रंगों में जान भरने वालों की प्रतिभा को लोगों के सामने लाने में मदद की।

आशा मूर्ति जी ने किया चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन

एसआरएमएस की ट्रस्टी आशा मूर्ति जी ने 20 मार्च को विनिता सक्सेना एवं आशीष अग्रवाल द्वारा बनाई कला कृतियों की दो दिनी चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

फाग महोत्सव, खिले प्रतिभा के रंग

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में 25 मार्च 21 फाग महोत्सव में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गई। रिद्धिमा के गुरुओं और विद्यार्थियों के इस फाग महोत्सव का आगाज सरस्वती वंदना से हुआ। जिसे बच्चों ने भरत नाट्यम से प्रस्तुत किया। इसके बाद गुरुजनों सूर्यकांत चौधरी, अगास्टीन फ्रेडरिक, कुंवर पाल, शिवशंभू कपूर, आनंद मिश्रा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक के जरिये फाग को दर्शकों के सामने रखा। चित्रकला नृत्य और वाद्य के साथ श्याम का और राधा का एक चित्र प्रस्तुत किया गया, जिसे शुभम सक्सेना और कपूर रिया ने प्रस्तुत किया। भरतनाट्यम की गुरु अंबाली प्रहराज और उनके शिष्यों ने मोहे रंग दो लाल... गीत पर भरतनाट्यम को प्रस्तुत किया। डॉ. पंकज शर्मा ने ब्रज की होरी गीत रंग डालूंगी नंद के लाल और सांवरे रंग लाल कर दीनो... को अपने स्वर दिए। डॉ. कविता अरोड़ा ने होली गीत रंग दे फगुना लाल पीला रंग दे... प्रस्तुत किया। कथक गुरु अमृत मिश्रा ने शिव होली मंगल होली को दर्शाया और गीता खेले मसाने में होली दिगंबर पर शानदार प्रस्तुति दी. अंत में इंदु पर्डल ने सूफी गीत छाप तिलक सब छीनी... को अपने स्वर देकर सभी को मोह लिया. कार्यक्रम में एसआरएमएस की ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, सचिव आदित्य मूर्ति जी मौजूद रहे।

Science Behind Indian Classical Dance

"how often people speak of art and science as though they were two entirely different things, with no interconnection.that is all wrong.the true artist is quite rational as well as imaginative and knows what he is doing;if he does dot, his art suffers. The true scientist is quite imaginative as well as rational, and sometimes leaps to solutions where reason can follow only slowly; if he does not,his science suffers.".

Art and Science have so much in common, both have a process of trial and error, both have a quest of finding something new and innovative, and a motivation to experiment and succeed in a breakthrough. Dance Science Research is the latest upcoming field exploring the influence of the complex movements of Indian Classical Dance especially Kathak and Bharatnatyam on the various parts of human body and brain. Kathak is a highly refined system of Rhythm and Movement ranging from Fast Footwork(Tatkars) to its magnificent Spins (Chakkars). Bharatnatyam is an Artistic Yoga using facial muscles(for numerous expressions), hand muscles (Asamyuta and Samyuta hand gestures), trunk and lower limb muscles for the dancing postures (Arai Mandi ,the half sitting posture). Research states that all these techniques stimulate the motor cortex of human brain that is responsible for our ability to learn and train new patterns of movement. This in turn stimulates other cortical regions that interpret sensory information resulting in more advance body consciousness and further development of growing brain. Various Mudras stimulate the cerebellum responsible for coordination and refinement of motoric control. This consequently helps to develop a person's balance and posture. The process of memorizing dance sequences improves the functioning ability of the Hippocampus which is activated by the habituation process I.e. repeating the same sequences multiple ties. This improves the growing brain's ability to memorize and recall, not only the long complicated dance routines but also lengthy amounts of theory.

Indian Classical Dances require a very complex set of physical and mental coordination which helps in the development of Neural Plasticity I.e. development of new neural connections between the regions of brain involved in executive function, long term memory and spatial recognition. Precision in each and every step performed, coordination,flexibility,tenacity, imagination, expressiveness along with extreme hard work are the fundamentals of Classical dance teaching. One can easily correlate the importance of these basics in every arena of human life. No wonder, innovators are using the systematic movement principles of these dances to teach children with special conditions like Down's syndrome, Cerebral Palsy and Autism. Not only this, these dance routines have wide range of physical benefits like increased muscular strength, aerobic fitness, weight management, stronger bones and reduced risk of osteoporosis. So when one comes across the following Sanskrit Shloka from Natya Shashtra, a scripture of Indian Classical Dances, we can just marvel the scientific advancement of the centuries old Indian thought that knew the importance of the mind-body interconnection and dispelled these messages through the beautiful routines of Classical Dances. "Yato Hasta tato Drushti (Where the hand goes, there the eyes follow) Yato Drushti tato Manaha (Where the eyes go, the mind follows) Yato Manaha tato Bhavaha (Where the mind goes, there the expresion follows). Yato Bhava tato Rasaha (Where the expression goes, the mood/emotion follows)" The realms of human brain are endless and the energies of growing children abundant. The understanding of the scientific principles behind these art forms is essential in order to harness these abundant energies of our youth so that through them they can achieve worthwhile objectives for themselves and their society.

From enhancing Physical endurance to making Concentration and Memory, an inherent part of a child's functionality, Bharatnatyam beautifully represents the essence of Indian Culture.

Smt Ambali Praharaj
Bharatnatyam Guru
SRMS RIDDHIMA

A beautiful fusion of delicate expressions with intense footwork, Kathak not only helps to control Obesity, but also helps to improve the bodyline and posturethrough its lot of stretching Mudras. A creative art to channelize the energy of hyperactive boys and girls.

Shri Amrit Mishra
Kathak Guru
SRMS RIDDHIMA

Dr Sandhya Chuahan
Paediatrician
SRMSIMS, Bareilly

एसआरएमएस में विश्व क्षय रोग दिवस पर वर्कशाप, रूरल, अर्बन सेंटर पर जागरूकता कैंप

जागरूकता और सही इलाज से हारेगा टीबी

बरेली: 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर टीबी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रिसेप्शन एरिया में मरीजों को टीबी की भयावता की जानकारी दी गई। मेडिकल कालेज के रामपुर गार्डन स्थित अर्बन सेंटर और धौरा टांडा स्थित ग्रामीण सेंटर पर भी लोगों को जागरूक किया गया। मोबाइल टेलीमेडिसिन सेंटर के जरिये आंवला में भी लोगों को क्षय रोगों के लक्षण बताने के साथ इनसे बचाव के उपाय बताए गए। कहा गया कि टीबी मरीजों के लिए आवश्यक है कि दवाई किसी भी वजह से किसी दिन छूटनी नहीं चाहिए। मेडिकल कालेज के कम्यूनिटी विभाग की ओर से विश्व क्षय दिवस पर सीएमई और वर्कशाप के रूप में मुख्य आयोजन एसआरएमएस मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में हुआ। इसमें पल्मोनरी विभाग के डा.राजीव टंडन ने केस फाइंडिंग के जरिये टीबी की जानकारी दी। उन्होंने विश्व में बढ़ रहे टीबी के मामलों की वजहों को भी स्पष्ट किया। विभाग की सीनियर रेजिटेंड डा.अंशा सिन्हा ने टीबी की जांच के आधुनिक तरीकों के साथ इलाज की जानकारी दी। उन्होंने टीबी के लक्षणों के साथ इसके प्रकारों के बारे में भी बताया। पल्मोनरी विभिग के ही डा.प्रदीप निराला ने वैज्ञानिक तरीके से टीबी के इलाज के बारे में बताया। उन्होंने इसमें दी जाने वाली दवाइयों की भी विस्तृत जानकारी दी। साथ ही इसमें कीमोथेरेपी की उपयोगिता को भी स्पष्ट किया। उन्होंने टीबी मरीज के परिवारों की जागरूकता, टीबी के साइड इफेक्ट के साथ ही दवाइयों के साइड इफेक्ट पर भी जानकारी दी। मरीजों के क्लीनिकल और लैब फालोअप की भी जानकारी दी। इस मौके पर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग के एचओडी डा.अतुल सिंह, पल्मोनरी विभाग के एचओडी डा.ललित सिंह, पैथोलाजी विभाग की एचओडी डा.तनु अग्रवाल, माइक्रोबायोलाजी विभाग के डा.राहुल गोयल, डा.एमपी रावल, डा.प्रीति लता राय, डा.हुमा खान, डा.प्रियंका कुमार, डा.अभिनव पांडेय, डा.वर्तिका अग्रवाल, डा.अभिजीत, डा.राम रवि शर्मा सहित तमाम फैकेल्टी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में डॉ. राजीव टंडन ने दी जानकारी

ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र पर जागरूकता कैंप

आंवला में टेलीमेडिसिन बस से ग्रामीणों को किया जागरूक

धौराटांडा स्थित ग्रामीण सेंटर पर डा.आशीष कुमार, डा.उज्ज्वल मित्तल, डा.विदुषी, डा.मनु प्रिया, डा.शिखा पांडेय, डा.अश्नील, डा.कादंबरी तोमर, डा.मृदुल गुप्ता और डा.सुभाष ने उपस्थित लोगों को टीबी के प्रति जागरुक किया। रामपुर गार्डन स्थित मेडिकल कालेज के अर्बन सेंटर पर डा.वर्तिका अग्रवाल, डा.तमन्ना गर्ग, डा.प्रखर, डा.आरती, डा.गुलिस्तां, डा.चेतना. डा.आयुषी और डा.बोर्नी ने लोगों को टीबी के संबंध में जानकारी दी। मेडिकल कालेज की मोबाइल टेलीमेडिसिन बस आंवला पहुंची। यहां डा.हर्षिता दुबे, डा.आर्यन ने ग्रामीणों को टीबी के प्रति जागरूक किया। भैरपुरा स्थित टेलीमेडिसिन सेंटर पर डा.तनिषा गुप्ता ने टीबी की भयावहता की जानकारी देकर इससे बचाव के उपाय बताए।

महिला मरीजों को दी अधिकारों की जानकारी

बरेली: प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पांच, छह और आठ मार्च को श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में महिला जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नर्सिंग की छात्राओं द्वारा महिलाओं से संबंधित गंभीर विषयों जैसे एसिड अटैक, ईव टीजिंग एवं भ्रूण हत्या पर जोर देते हुए अत्यन्त रोचक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। विधि विशेषज्ञों डा.औसाफ अहमद मलिक एवं शिवानी गुप्ता के द्वारा महिलाओं के कानूनी अधिकार विषय पर चर्चा की गई। चर्चा में श्रोताओं की सक्रिय भागीदारी रही। इस कार्यक्रम में नर्सिंग, पैरामेडिकल, मेडिकल छात्राएं एवं फैकल्टी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ एसआरएमएस आईएमएस के प्राचार्य डा.एसबी गुप्ता, एसआरएमएस पैरामेडिकल के प्राचार्य डा. कृष्ण गोपाल, नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्षा डा. नीलिमा महरोत्रा एवं डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. अतुल कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन व छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन कनेक्सस क्लब की ओर से एमबीबीएस छात्रा मुस्कान ढींगरा ने किया। इसके साथ ही कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से मेडिकल कालेज में जागरूकता कैंप लगाया गया। इसमें डा. हुमा खान ने महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम अस्पताल में चाहें डाक्टर हों, मरीज हों या उनके तीमारदार सभी रूपों में हमारे कुछ अधिकार हैं। उन्हें जानना जरूरी है। महिलाओं के पास सबसे बड़ा अधिकार उसकी फैसला लेने की आजादी है। बच्चे को जन्म देना भी इसी में शामिल है। डाक्टर द्वारा इलाज के लिए सुझाए गए उपायों में से किसी एक को चुनने का अधिकार भी महिला मरीजों के पास है। मरीज के रूप में उपचार के दौरान पुरुष डाक्टर के पास अपने साथ परिजनों के साथ जाने का अधिकार भी महिलाओं को दिया गया है। पुरुष डाक्टर द्वारा उपचार या जांच के दौरान अगर आपके साथ घर की कोई महिला नहीं है तो आप वहां महिला की उपस्थित की मांग कर सकती हैं। उसकी मौजूदगी में ही इलाज या जांच की जाएगी। महिलाओं की मर्जी के बिना जबरदस्ती कोई जांच नहीं की जा सकती। जागरूकता कैंप के दौरान डा. हुमा ने उपस्थित महिला मरीजों के सवालों के जवाब भी दिए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एसजीपीजीआई, लखनऊ द्वारा महिला रोगों की जानकारी, रोकथाम एवं निदान विषय पर वेबिनार का आयोजन हुआ जिसमें एसआरएमएस आईएमएस के फैकल्टी, छात्र एवं छात्रओं ने भागीदारी की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महिलाओं में स्तन कैंसर, सरवाईकल कैंसर, आर्थराइटिस, थाईराइड संबंधी बीमारियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

एसआरएमएस हास्पिटल उन्नाव में निशुल्क चिकित्सा शिविर

उन्नाव स्थित श्री राम मूर्ति स्मारक हास्पिटल की ओर से 19 मार्च को गांव धनवासाड़ में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। इसमें जनरल मेडिसिन के 87, आथ्थल्मोलाजी के 33 , आर्थोपेडिक्स के 51, ईएनटी के पांच एवं डर्मेटोलाजी के 13 मरीजों ने नि:शुल्क सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में चिकित्सालय अधीक्षिका डा. मीनाक्षी शर्मा, डा. हिमांशु, डा. नंदिनी, डा. प्राची, डा. प्रवेश एवं सहयोगी टीम उपस्थित रही।

सीईटी बरेली में कैंपस प्लेसमेंट

- एप स्काड्र्ज प्रा.लि. द्वारा पूल कैंपस का आयोजन
- दूसरे जिलों के संस्थानों के विद्यार्थी भी हुए शामिल

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालोजी में आठ मार्च को कैंपस प्लेसमेंट के लिए पूल कैंपस का आयोजन किया गया।

एप स्काड्र्ज प्रा.लि. द्वारा बी.टेक, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इंफारमेंशन टेक्नोलाजी एवं इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग एवं एमसीए के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए प्लेसमेंट ड्राइव में बरेली स्थित एसआरएमएस सीईटी, सीईटीआर तथा उन्नाव स्थित एसआरएमएस सीईटी, एमआईटी मुरादाबाद, जीबी पंत विश्वविद्यालय, इंवर्टिस विश्वविद्यालय, आरवीआईटी बिजनौर, एसएसवीआईटी. बरेली के छात्र तथा छात्राओं ने भाग लिया। पूल कैंपस के आरंभ में एप स्काड्र्ज प्रा. लि. प्रतिनिधियों का स्वागत सीईटी के ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एवं प्लेसमेंट सेल के हेड डा.अनुज कुमार ने किया। एप स्काड्र्ज प्रा. लि. प्रतिनिधियों ने प्रेजेंटेशन दिया फिर लिखित टेक्निकल एवं नान टेक्निकल परीक्षा और इंटरव्यू हुए। एप स्काड्र्ज प्रा. लि. के अधिकारियों ने संस्थान के शैक्षिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान एवं अनुशासन की सराहना की। इस मौके पर डीन एकेडमिक्स डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट आफीसर निर्मल जोशी, मनीषा खंडेलवाल एवं नेहा सक्सेना मौजूद रहीं।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2006 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

कैसी तकदीर

लेखक - राहुल कुमार गोस्वामी, पता - आत्मज श्री विजेंद्र कुमार गोस्वामी, चंपा भवन, सीकरी फाटक के पास, सीकरी रोड, मोदीनगर, गाजियाबाद

एक तो गर्मी का दिन और दूसरे दोपहर का समय, गर्मी में तो सहर भी तपी हुई होती है। तब तो चिलचिलाती धूप थी। पर यह अखंड सत्य है कि जनजीवन कभी नहीं ठहरता, सदा भागता रहता है। हर दिन की तरह आज भी सड़कें भरी हुई थीं। झुलसाती धूप में भी वाहनों का अंधाधुंध आवागमन जारी था। नियति कब क्या उथल-पुथल कर दे कोई नहीं जानता। पल-पल पर खतरा है क्योंकि सांसें कभी भी रूठ सकती हैं। जिस सड़क की थोड़ी देर पहले बातें शुरू हुई थीं, उसी सड़क पर एक कमजोर, शिथिल औरत खड़ी थी। उम्र तो ज्यादा नहीं थी लेकिन कमजोरी ने पूरी तरह जीर्ण कर दिया था।कदम लड़खड़ाते थे और लड़खड़ाते भी क्यों ना, एक तरह से जिंदा लाश थी वह। शरीर मानों हड्डी और खाल का संगम था। मैले चीथड़ों में लिपटा शरीर एक बच्चे को छाती से चिपटाए खड़ा था और सड़क पार करने की कोशिशें कर रहा था। तमाम कोशिशों और काफी जद्दोजहद के बाद उसे मौका मिला वह तेज कदमों से सड़क के पार चल दी। तभी तेजी से आती हुई एक कार ने उस औरत को टक्कर मारी। इससे पहले वह उठने की कोशिश करती एक और कार आई और कुचल कर चली गई। बेचारी थोड़ी देर छटपटाई और फिर वहीं दम तोड़ दिया। एक ओर तो उस बदनसीब का शरीर पड़ा था और दूसरी तरफ वह बच्चा सकुशल उसकी छाती से चिपटा पड़ा था। सड़क पर स्तब्धता छा चुकी थी। हालांकि शोरगुल यथावत था पर गंभीरता छा गई थी वातावरण में। उसी गमगीन माहौल में बच्चा अपनी मां के मुख की ओर देख रहा था। उस बेचारे को क्या पता कि उसका एकमात्र सहारा भी छिन गया। चारों ओर भीड़ देख कर वह घबरा गया और रोने लगा।

लोग और वाहन अब भी आ जा रहे थे, लेकिन एक नजर भर उठा कर उस तरफ देखते और निकल जाते। चारो ओर भीड़ लगी हुई थी। बीच में उसका निर्जीव, निस्पंद शरीर व बच्चा दोनों पड़े थे, लेकिन किसी ने भी उसे उठाने की न सोची। हृदयहीन भीड़ तमाशा देख रही थी। तभी उसी भीड़ में से एक व्यक्ति आगे आया। उसने उस औरत की लाश को गाड़ी में रखा और साथ में बच्चे को लेकर चला गया। उस औरत का दाह संस्कार करके बच्चे को लेकर घर आ गया और पालन पोषण करने लगा। उसे मन बहलाने को खिलौना मिल गया था और बच्चे को सहारा। उसकी पत्नी का देहावसान हुए भी कई बरस बीत चुके थे। शायद इसीलिए हृदय विदारक घटना से उसका दिल दहल उठा था। उस बच्चे के लिए इस वक्त वह फरिश्ता था और वह बच्चा ही उसका सर्वस्व था। वक्त के साथ साथ बच्चा बड़ा हो गया। उस व्यक्ति ने उसे पढ़ाया-लिखाया और मां-बाप दोनों का प्यार दिया। पैसे की तो कोई कमी नहीं थी बस जीवन साथी नहीं था। वह जानता था कि अगर वह किसी से ब्याह कर लेगा तो बच्चे पर उतना ध्यान नहीं दे पाएगा। यही प्रेम था जो निस्वार्थ, अटूट और प्रगाढ़ था। किसी और के अंश के लिए जीवन की इतनी बड़ी बलिदानी शायद ही कोई दे।

इतना बलिदान पर शायद सुख उसकी किस्मत के पन्नों से धुल गया था। उसके सुख को किसी की बुरी नजर ने मार दिया। किसी ने उस लड़के को बता दिया कि वह उस व्यक्ति का सगा बेटा नहीं है और भी ना जाने क्या क्या कहा होगा उससे। सड़का घर आया और उस शख्स को जो उसकी मां की लावारिश लाश को विसर्जित करके आया था और जिसने एक बच्चे को दूसरी जिंदगी दी और किसी गलत हाथों में पड़ने से बचा लिया, भला-बुरा कहने लगा। वह व्यक्ति खामोश रहा, कुछ भी नहीं बोला। कहता भी क्या, वह जानता था उस नौजवान के जुनून और खून के उबाल को। वह उसे, जो उसका अपना खून नहीं था, खोना नहीं चाहता था। लड़का घर से जा चुका था पर उसे लेशमात्र भी ग्लानि नहीं थी। दूसरी ओर वह शख्स न जाने किस गहरी सोच में डूबा हुआ था। शाम तलक यूं खामोश और गुमसुम बैठा रहा। बाहर का दरवाजा हल्का सा खुला, लड़का अंदर आया और चुपचाप अपने कमरे में चला गया। उसी के पीछे-पीछे वह व्यक्ति भी खाना लेकर कमरे में गया और उसे खाना खिलाने की कोशिश करने लगा। लड़के ने खाने से इन्कार कर दिया और अकेले छोड़ने को कहा। उस व्यक्ति ने कहा कि अकेले छोड़ना होता तो उसी दिन छोड़ दिया होता, जब ईश्वर ने तुम्हें अकेला कर दिया था। छोड़ना ही होता तो साथ ही क्यों देता तुम्हारा। आज से बाईस-तेईस बरस पहले तुम्हारी मां का देहांत हो गया था। तुम करीब आठ- नौ महीने के रहे होगे। तो क्या लोग यूं ही चर्चा करते हैं तुम्हारे बारे में, बेटे ने सवाल किया। क्या कहते हैं लोग ? उस व्यक्ति ने पूछा। बेटा बोला- रहने दो, अनजान बनने की कोशिश कहीं और करना। मेरी मां के गहने हड़प कर क्या तुम खुश रह पाओगे ? । सेठ बेचारा इस बात से टूट चुका था। इससे तो अच्छा होता कि चाकुओं से गोद दिया होता, कम से कम जख्म तो भर जाते या मौत तो मिल जाती। ऐसा जख्म तो न मिलता कि मरहम भी न लगा सके। खैर सेठ कांपते पैरों से उठा और कमरे से चला

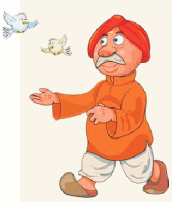

गया। क्या बताता, उससे कि उसकी मां के पास गहने की बात तो दूर तन ढकने को कपड़ा तक नहीं था। क्या कहता कि हड्डियों का ढांचा मात्र थी वह। अब सेठ का ध्यान काम में नहीं लगता और वह सारा दिन भक्ति में बिताता। लड़का सोचता था कि वह प्रायश्चित करने के लिए ऐसा कर रहाह है और भगवान से अपने किए की क्षमा मांग रहा है। जबकि उसे अब अपने जीवन में शांति चाहिए थी, इसीलिए वह ज्यादा से ज्यादा समय भगवान के चरणों में व्यतीत करता। सेठ और लड़के के रास्ते जुदा हो चुके थे। अब लड़का नौकरी की तलाश में सुबह ही निकल जाता और देर रात तक आता। काफी दौड़ धूप के बाद उसकी नौकरी लग गई। एक दिन सेठ को अकस्मात हृदय घात का दौरा पड़ा। सेठ आज बिल्कुल तन्हा था, सब कुछ होते हुए भी अकेला। सब कुछ क्या, केवल दो ही चीजें उसके पास थीं। एक तो पैसा और दूसरा लड़का। जिसमें से एक को वह लगभग खो ही चुका था। वैसे दो चीजें और थीं। एक तो नर्म दिल और एक मुनीम जो सेठ की निस्वार्थ सेवा करता था। पर इन दोनों में से एक आज खोने जा रहा था। उधर लड़के को तनख्वाह मिली और वह पैसे लेकर आ रहा था। रास्ते में एक ओर भीड़ लगी थी। भीड़ के बीचों बीच एक निर्जीव शरीर पड़ा था। उसी के पास करीब डेढ़ साल का बच्चा बैठा था। एक व्यक्ति लोगों से मदद के लिए कह रहा था। वह उस औरत का पति था और उसके संस्कार के लिए पैसे मांग रहा था। लड़के ने भी उसे कोई मदद नहीं दी और वहां से चल दिया। उस वक्त यदि सेठ होता तो बाइस साल पहले की बात को दोहराता और तब लड़के को बताता कि तुम भी इसी स्थिति में थे। लड़का घर पहुंचा और पां सौ रुपये सेठ को पकड़ा दिए। लड़के से सेठ ने पूछा– ये किसलिए हैं बेटा ? ये मेरे कमरे का किराया है, लड़के बोला। सेठ सिर पकड़ कर बैठ गया। अब एक एक पल उसके लिए जहरीला था। बैठे बैठे ही वह पीछे की ओर गिर गया। एक और हृदय घात। सेठ मृत्य शैय्या पर था। ठीक उसी प्रकार जैसे भीष्म पितामह सर शैय्या पर थे। पितामह पर तीरों ने बार किया था और सेठ पर शब्दों ने। सेठ बेचारा शब्दों के बाणों पर पड़ा था। खुद तो उठ नहीं पा रहा था और उठाने वाला भी कोई नहीं था।

लड़के ने देखा कि सेठ जमीन पर पड़ा छटपटा रहा था। उसने मुनीम को फोन किया। मुनीम आया। मुनीम के आने के बाद सेठ ने आंखें खोलीं और लड़के को पुकारा। लड़का सेठ के पास पहुंचा। सेठ इतना ही कह पाया। बेटा खुश... बाकी के शब्द निकलने से पहले ही खत्म हो गए। मुनीम चिल्लाया... सेठ जी, सेठ जी। अब यदि सेठ जी में सांस बाकी होती तो कुछ जवाब देते भी। सेठ जी जिंदगी हार चुके थे। दोनों रोने लगे। अब कर ही क्या सकते थे। रिश्तेदारों को खबर दी। आधे से ज्यादा रिश्तेदारों के पास सेठ की अंतिम यात्रा में शामिल होने का वक्त नहीं था। खैर सेठ का दाह संस्कार कर दिया। तेरहीं वगैरह का संस्कार भी पूरा हो चुका था। उसने दिल खोल कर दान दिया। आज उसे अपनी उस गलती का अहसास हो रहा था, जब उसने किसी मजबूर व्यक्ति को उसकी पत्नी के दाह संस्कार को पैसे नहीं दिए थे। वह उस कमी को भी पूरा कर देना चाहता था। सब संस्कार पूरे हो जाने के बाद लड़के ने कारोबार संभाल लिया। उसके कारोबार में हाथ डालते ही दोगुनी चौगुनी उन्नति होने लगी। जैसे कि हमेशा होता है कि दूसरे की उन्नति देख कर लोग जलने लेगते हैं। ऐसा ही यहां भी हुआ। लड़के को लोगों ने झूठे इल्जामों में फंसा दिया। उस पर इल्जाम था कि उसने सेठ को मार दिया। पुलिस आई और उसे पकड़ ले गई। लड़के का भाग्य देखो किस त रह पलटा। बाईस साल पहले बचाने वाला फरिश्ता आज उसकी पैरवी के लिए जिंदा नहीं था और तो और उसी के कत्ल के जुर्म में वह फंसा था। एक ऐसा जुर्म जो उसने किया ही नहीं। अब वह अकेला था और सिवाय दुआ के कुछ कर भी नहीं सकता था। मुनीम भी कहीं बाहर गया हुआ था।

जेल की कोठरी में खामोशी छाई है। लड़का एक कोने में पड़ा था। चिंताओं से घिरा, मौत को सामने देख कर घबरा रहा था। अपने पिता के बारे में विचारधारा फिर से बदल गई थी। वह फिर से पिता को कोसने लगा था। उसे रह रह कर उस मां की याद आ रही थी जिसने उसे जन्म दिया और सिर्फ आठ-नौ महीने ही पाल सकी। वह उस शख्स को भूल चुका था जो उसकी मां, बाप, भाई, बहन सब कुछ था। उसकी आत्मा फिर से घृणा की आग में जलने लगी। लम्हा लम्हा घट रहा था और उसकी घबराहट बढ़ रही थी। जेल में लोगों की भीड़ लगने लगी थी। क्योंकि उन्हें पता लग चुका था कि फांसी के बाद लड़की की संपत्ति किसी करीबी रिश्तेदार को मिलनी है। सब उसके साथ हमदर्दी जता रहे थे लेकिन उसकी मदद को कोई नहीं था। धीरे-धीरे भीड़ छंटने लगी। बस वहा केवल एक शख्स था, मुनीम। जो अपनी यात्रा से लौट आया था। मुनीम ने पूछा कि कैसे हुआ यह सब ? लड़के ने कहा – मुझे नहीं मालूम पर पिताजी ने अब तक मेरा पीछा नहीं छोड़ा। जिंदा थे तो मेरी मां के गहने हड़प लिए और मरने के बाद भी पीछे पड़े हैं। मुनीम ने उसे हकीकत जाने बिना कुछ भी कहने से मना किया और चला गया। अगले दिन मुनीम एक पोटली लेकर आया और लड़के के हाथ में थमा दी। लड़के ने पोटली खोली तो देखा उसमें एक मैली धोती थी, जो जगह जगह से फटी थी। उसी में लिपटा एक कागज भी था, जो सेठ ने लिखा था। जिस पर लिखा था बेटा ये लो तुम्हारी मां के गहने, जो मैंने हड़प लिए थे। आज मैं इन्हें तुम्हारे हवाले कर रहा हूं। संभाल कर रखना। यही वह गहने हैं जो तुम्हारी मां ने मरते वक्त पहना था। आज मैं इस पर से अपना हक वापस लेता हूं। मेरी इस लूट के लिए मांफ करना। तुम्हारा अभागा बाप।

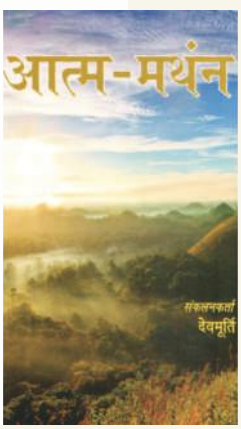

(समाप्त)

बेपरवाह

अपनी मर्जी से चलना अनजान रास्तों पर भटकना
इसे कहते है जीवन में बेपरवाह होना
पर ये बेपरवाही यूं ही नहीं होती
उन्हें होती तलाश कुछ असामान्य की
बेपरवाह ही बुनते हैं एक नई दुनिया को
उनमें नहीं होता स्वार्थ न डर कुछ खोने का
चलना गिरना उठना गिर कर फिर संभलना
पथ होता है खुद तय करना
नहीं होता अवगुण असफलताओ से डर कर रोने का
रुदन अंतर्मन एक ऐसा सन्नाटा बुनता है
जिसमें खोकर रह जाते है सारे लक्षित प्रयास
अवचेतन को चेतन करना इसे कहते है नया कल बुनना
अपनी मर्जी से चलना
अनजान रास्तो पर भटकना एइसे कहते है जीवन मे बेपरवाह होना ।।

वैभव श्रीवास्तव
एसआरएमएस
आईबीएस लखनऊ

मेरी दीवाली

तुम मेरी दीवाली में आना
मैं आऊंगा तेरे रमजान में
जब दीवाली में अली बसे
और राम बसे रमजान में
फिर क्यों आपस में भेद भाव हो
जाने या अनजाने में
तुम रामायण पढ़ लेना
मैं कर लूंगा अजान कुरान की
तुम खीर खिला देना ईद की
मैं नवरात्रि का प्रसाद खिलाऊंगा
तुम मेरे मंदिर में आना
मैं तेरे मस्जिद में आऊंगा
ये धरती सबकी मां है यारों
हम सब हैं इसकी संतान
नहीं कोई हो बैर आपसी
हम सब बने रहें इंसान

शिवदत्त शुक्ला, (पीजीडीएम 1)
एसआरएमएस आईबीएस लखनऊ

जीवन का महत्व

एक बार एक बच्चे ने अपने पापा से पूछा कि पापा मेरे जीवन का क्या महत्व है। उसके पापा ने कहा अगर तुम सच में अपने जीवन की कीमत समझना चाहते हो, महत्व जानना चाहते हो तो मैं तुम्हे एक पत्थर देता हूं। तुम इसे लेकर बाजार जाना और अगर कोई इसके पैसे पूछे तो कुछ मत कहना बस दो उंगली खड़ी कर देना। वो लड़का कुछ देर बाद बाजार गया। कुछ देर वहां ऐसे ही बैठा रहा। लेकिन कुछ देर बाद एक बुजुर्ग महिला उसके पास आयी और उस पत्थर की कीमत पूछने लगी। लड़का एकदम चुप रहा। उसने कुछ नहीं कहा और अपनी दो उंगली खड़ी कर दीं। वो बुजुर्ग महिला बोली 200 रूपये ठीक हैं। इस पत्थर को मैं तुमसे खरीद लूंगी। ऐसा पत्थर आसानी से कहीं पर भी मिल जाता। फिर भी इसकी 200 रुपये कीमत सुन कर बच्चा हैरान रह गया। उसने पत्थर बेचने से मना कर दिया। घर आकर उसने अपने पिता से कहा, मुझे बाजार में एक बुजुर्ग महिला मिली थी और वो इस पत्थर के बदले 200 रुपये देने को तैयार थी। पापा ने कहा, इस बार तुम इस पत्थर को लेकर संग्रहालय में जाना और कोई इस पत्थर की कीमत पूछे तो इस बार भी कुछ मत कहना और अपनी दो उंगली उठा देना। लड़का पत्थर लेकर संग्रहालय गया। एक आदमी की नजर उसके हाथ में रखे पत्थर पर पड़ी। उसने पत्थर की कीमत पूछी, तो बच्चा चुप रहा और उसने अपनी दो उंगली खड़ी कर दीं। वो आदमी बोला, 20 हजार रुपये। ठीक है, मैं तुम्हे इस पत्थर के 20 हजार रुपये देने को तैयार हूं। तुम ये पत्थर मुझे दे दो। ये सुनकर लड़का फिर चौंक गया। उसने पत्थर नहीं दिया और घर आकर अपने पापा से कहा, पापा मुझे संग्रहालय में एक आदमी मिला था। वो इस पत्थर के बीस हजार रुपये देने को तैयार था। उसके पापा ने कहा अब मैं तुम्हे आखिरी जगह भेजने जा रहा हूं। अब तुम्हें कीमती पत्थरों की दुकान पर जाना है। वहां भी इसकी कीमत पूछने पर तुम्हें बस अपनी दो उंगली दिखानी हैं। लड़का शहर में सबसे बड़ी कीमती पत्थरों की दुकान पर गया। उसने देखा कि काउन्टर के पीछे एक बुजुर्ग आदमी खड़ा है। बुजुर्ग आदमी की नजर उस पत्थर पर पड़ी। वह चौंक गया। उसने पत्थर बच्चे के हाथ से लिया। बोला हे भगवान, यह पत्थर तो बहुत कीमती है। इसके बदले कितना रुपया लोगे। बच्चा चुप रहा। उसने अपनी दो उंगली खड़ी कर दीं। बुजुर्ग बोला- दो लाख रूपये। मैं तुम्हे इसके लिए दो लाख रुपये देने को तैयार हूं। लेकिन तुम पत्थर मुझे दे दो। उस लड़के की अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वो जल्दी से अपने पापा के पास गया और बोला पापा वो दुकान पर वह बुजुर्ग आदमी इस पत्थर के लिए दो लाख रुपये देने को तैयार है। उसके पापा ने कहा, अब तुम समझे जीवन का महत्व। आपके जीवन का महत्व इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने आपको कहां रखते हैं। आपको तय करना है कि आप 200 रुपये का पत्थर बनना चाहते हैं या दो लाख का। जो लोग आपसे प्यार करते हैं, आप उनके लिए सब कुछ है। जो आपको एक वस्तु की तरह इस्तेमाल करते हैं उनके लिए आप कुछ भी नहीं। यह आप पर निर्भर करता है कि आपके जीवन का महत्व क्या होगा।

प्रीति
जीएनएम - प्रथम वर्ष
एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग,
बरेली

NEW EMPLOYEE

(Till March 2021)

डा. पूर्णिमा एमबी, प्रोफेसर
एमडी, फिजियोलाजी
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. तनु श्री, प्रोफेसर
एमडीएस, डेंटल साइंसेज
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. वनिका, एसो.प्रोफेसर
एमडी, पैथालोजी
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. गजेंद्र पाल सिंह, असि.प्रोफेसर
एमडी, एनेस्थीसिया
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. नम्रता सिन्हा, असि.प्रोफेसर
डीएनबी, गायनी
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. शिखा अग्रवाल, असि.प्रोफेसर
डीएनबी, साइकियाट्री
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

रेनू आर्या, असि. प्रोफेसर
एमएससी (पैथोलॉजी)
पैरामेडिकल, बरेली

डा.पार्थज्योति निओग, असि.प्रो.
एमडी, फार्मेकोलाजी
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

सुरभि शर्मा, असि. प्रोफेसर
एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी)
पैरामेडिकल, बरेली

नीति मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर
एमफार्मा, बीफार्मा डिपार्टमेंट
फार्मेसी कॉलेज, बरेली

नीति मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर
एमफार्मा, बीफार्मा डिपार्टमेंट
फार्मेसी कॉलेज, बरेली

राशि सक्सेना, असिस्टेंट प्रोफेसर
एलएलएम, ला कालेज
एसआरएमएस सीईटीआर, बरेली

श्रेयशी मुंशी, फैकेल्टी
एमपीए, कथक ट्रेनर
रिद्धिमा, बरेली

अंकित श्रीवास्तव, मैनेजर
एमबीए एचआरएम, एचआर
एसआरएमएस सीईटी, बरेली

सीमा वर्मा, स्कूल टीचर
बी.ए., एलआरटी
एसआरएमएस स्कूल, उन्नाव

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में संबद्ध होने वाले सभी नए एवं पदोन्नत साथियों को **बधाई एवं शुभकामनाएं ...**

PROMOTION

डा.अनुज कुमार
डायरेक्टर
ट्रेनिंग, डेवलपमेंट
प्लेसमेंट सेल
सीईटी, बरेली

नेहा सक्सेना
ऑफिस सुपरिंटेंडेंट
ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड
प्लेसमेंट सेल
सीईटी, बरेली

निर्मल जोशी
टीपीओ
ट्रेनिंग डेवलपमेंट,
प्लेसमेंट सेल
सीईटी, बरेली

STORY BEHIND HOLI

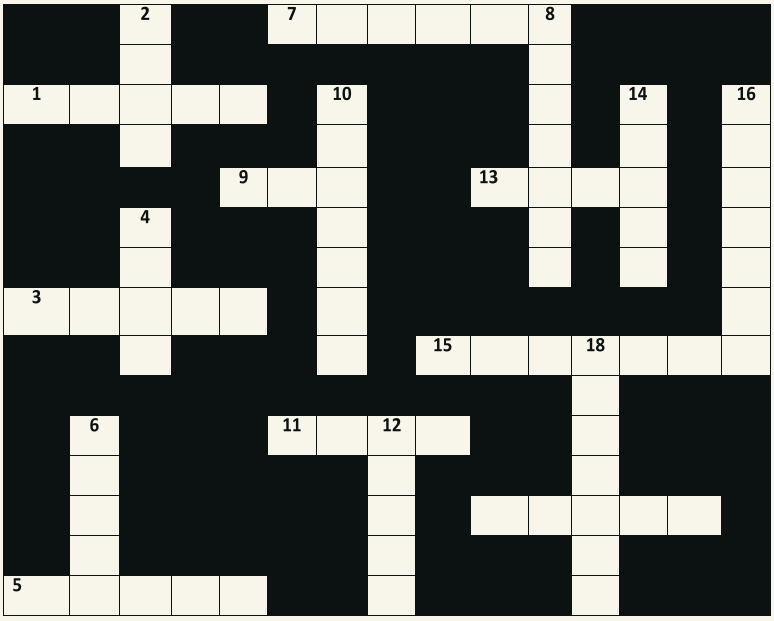

Crosswords No. 11

HORIZONTAL

1. Cartilaginous fish having two black spots on fins.
3. Largest species of aquatic mammals
5. Small aquatic animal with 10 legs
7. Elongated bodies with swimming mode of locomotion
9. Ray fined fish mostly predators
11. Gill bearing aquatic animals
13. Saltwater fish can reach 10 feet in length
15. Rough irregular body containing pearls
17. Fascinating ocean dwellers achieving a mythical status in viewers mind

VERTICAL

2. Fin footed semi aquatic marine carnivores
4. Help coral reefs to survive by clearing the debris
6. Webbed feet, water repellent furs with strong tails
8. Aquatic flightless birds
10. Ray finned fish can grow up to a metre in length
12. Cartilaginous fish with 5-7 gill slits on head
14. Edible molluscs live as infauna
16. Large marine crustaceans have long bodies with muscular tails
18. Sea bird found in coastal ares

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 11

			6			4		
7					3	6		
				9	1		8	
	5		1	8				3
			3		6		4	5
	4		2				6	
9		3						
	2					1		

Answer: Crosswords No. 10

8	3	9	**7**	4	2	5	**1**	6
5	2	7	**6**	9	1	**3**	4	8
1	**4**	6	5	8	3	9	7	2
3	9	1	8	2	**7**	**4**	6	**5**
2	5	4	**9**	1	**6**	8	3	7
7	6	8	4	3	5	**1**	2	9
4	8	2	1	6	9	**7**	5	3
6	1	5	3	7	8	2	**9**	4
9	7	**3**	2	**5**	**4**	6	8	1

Answer: Soduko No. 10

Yogesh Kumar Saxena

Medicare

Since 2000

GSTIN: 09AXFPK9998K 1ZD

Deals in: Best Ortho & Neuro Implants

CONTACT US

9837093506
9837435630

Regd Office:

Medicare, C-47 IInd Floor, Butlar Plaza Civil Lines, Bareilly

Branch Office:

Medicare, B-2 IInd Floor, Imperial Mall and Cineplex
Near Roadways, Bareilly